जेBISHOP SCOTT BOYS' SCHOOL

(Affiliated to CBSE, New Delhi) Affiliation No.: 330726, School Campus: Chainpur, Jaganpura, By-Pass, Patna 804453.
Phone Number: 7061717782, 9798903550. ,
Web: www.bishopscottboysschool.com Email: info@bishopscottboysschool.com

Sarvada Sarva shreshth
HOLISTIC DEVELOPMENT

ONLINE STUDY MATERIAL

SUBJECT --Hindi

SESSION-2020-21

CLASS- 6

CHAPTER No-2

TOPIC: वर्ण विचार

DAY-1

- वर्ण:-भाषा की वह मूल इकाई, जिसके और खंड नहीं किए जा सकते, वर्ण कहलाती है। जैसे- कृषक=क्+ऋ+ष्+अ+क+अ
- वर्णमाला:-भाषा की मूल ध्वनियों का व्यवस्थित समूह है वर्णमाला कहलाता है। हिंदी की वर्णमाला इस प्रकार है—
- अ,आ,इ,ई,उ,ऊ,ऋ,ए,ऐ,ओ,औ(11स्वर)
- व्यंजन:-
- कवर्ग-क ख ग घ ङ
- चवर्ग-च छ ज झ ञ
- टवर्ग-ट ठ ड ढ ण
- तवर्ग-त थ द ध न
- पवर्ग-प फ ब भ म
- ड़ ढ़-उत्क्षिप्त व्यंजन-2
- य र ल व
- श ष स ह
- क्ष त्र ज्ञ श्र
- वर्णों के भेद:-हिंदी वर्णमाला में वर्ण के दो प्रकार हैं-स्वर और व्यंजन
- स्वरवर्ण:-स्वर पूरी तरह से स्वतंत्र ध्वनियां है ।इनको बोलने में किसी अन्य ध्वनि की सहायता नहीं लेनी पड़ती ।इनके उच्चारण में हवा मुंह में बिना टकराए बाहर आती है।

हिंदी वर्णमाला में 11 स्वर हैं---

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

स्वर दो प्रकार के होते हैं—

1. ह्रस्व स्वर-जिन स्वरों के उच्चारण में कम समय लगता है ,उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं।यह चार हैं- अ,इ,उ,ऋ। इन्हें मूल स्वर भी कहा जाता है।

2. दीर्घ स्वर-इनके उच्चारण में ह्रस्व स्वर से दुगना समय लगता है।ये सात हैं–आ,ई,ऊ,ए,ऐ,ओ,औ।

व्यंजन वर्ण:-व्यंजन वे वर्ण हैं, जिनके उच्चारण में स्वर की सहायता लेनी पड़ती है। इनको बोलते समय हवा मुख के भीतर टकराकर बाहर आती है।

हिंदी वर्णमाला में 33 व्यंजन हैं।

व्यंजनों के भेद

1. स्पर्श व्यंजन-हिंदी वर्णमाला में 25 स्पर्श व्यंजन हैं।कवर्ग ,चवर्ग ,टवर्ग ,तवर्ग ,पवर्ग के व्यंजन स्पर्श व्यंजन हैं।
2. अंतस्थ व्यंजन- हिंदी वर्णमाला में 4 अंतस्थ व्यंजन हैं-य ,र,ल,व।
3. उष्म व्यंजन-हिंदी वर्णमाला में चार उष्म व्यंजन हैं-श,ष,स,ह

DAY-2

संयुक्त व्यंजन:-

दो व्यंजनों के मेल से बने नए वर्ण संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। हिंदी वर्णमाला में क्ष,त्र,ज्ञ,श्र चार संयुक्त व्यंजन है;

जैसे-क्+ष्+अ=क्ष

ज्+ञ्+अ=ज्ञ

त्+र्+अ=त्र

श्+र्+अ=श्र

संयुक्ताक्षर:-

दो अलग-अलग व्यंजनों के योग से बने वर्ण संयुक्ताक्षर कहलाते हैं; जैसे-

बुद्धि-द्+ध=द्ध

द्वित्व व्यंजन:-

किसी स्वर रहित व्यंजन का अपने समरूप स्वर सहित व्यंजन से मेल द्वित्व व्यंजन कहलाता है; जैसे-

सम्मान-म्+म=म्म

इनमें पहला व्यंजन स्वर रहित होता है।

अनुस्वार (ं•)

जब किसी ध्वनि को बोलते समय हवा नाक से निकले, तो उसके लिए जिस बिंदु का सहारा लिया जाता है, उसे अनुस्वार बिंदु कहते हैं; जैसे-हंस, चंदन

अनुनासिक(ँ)

जब ध्वनि को बोलते समय हवा मुख और नाक दोनों से निकले, तो वर्ण के ऊपर चंद्रबिंदु का प्रयोग किया जाता है। ऐसी स्वर ध्वनियां अनुनासिक होती हैं; जैसे-हँस।

आगतवर्ण:-

ऑ-इसे अर्धचंद्र कहते हैं। यह अंग्रेजी शब्दों में'ओ'की मात्रा की तरह प्रयोग होता है; जैसे-बॉल, कॉपी।

नुक्ता:-

अरबी- **फ़ारसी** से आए और हिंदी में प्रयोग होने वाले शब्दों में कुछ ध्वनियां हैं, जिन्हें नुक्ते (•) के साथ बोला और लिखा जाता है; जैसे-अंग्रेज़ी,सफ़ाई इत्यादि।ज़,फ़ उर्दू भाषा से ली गई ध्वनियां है।

DAY-3

उत्क्षिप्त वर्ण-ड़,ढ़ हैं।

'ऋ 'की मात्रा लगाकर शब्द पूरे कीजिए।

(क) कपा - कृपा (ख) अमत - अमृत

(ग)गह - गृह (घ) वक्ष -वृक्ष

(ड़) मग- मृग (च नप- नृप

'र 'के रूप से सही शब्द बनाइए।

(क)वत- व्रत

(ख)परिवतन- परिवर्तन

(ग)पदीप- प्रदीप

(घ)राष्टीय- राष्ट्रीय

(ड़)आयन- आर्यन

(च)सहस- सहस्त्र

(छ)टक ट्रक

(ज)वणन- वर्णन

(झ)कायकम- कार्यक्रम

(ञ)अनथ- अनर्थ

DAY-4

दिए गए शब्दों का वर्ण- विच्छेद कीजिए।

(क) भावना-भ्+आ+व्+अ+न्+आ

(ख) स्वतंत्र-स्+व+अ+त्+अं+त्+र्+अ

(ग) महात्मा-म्+अ+ह्+आ+त्+म्+आ

(घ) विद्यालय-व्+इ+द्+य्+आ+ल्+अ+य्+अ

DAY-5

अभ्यास हेतु प्रश्न:-

निम्नलिखित शब्दों का वर्ण -विच्छेद करें।

वीरता, कौशल, स्वतंत्रता, कृषि, हंस, कैदी, निर्मल, प्रदीप।